

प्रेषक

पी०के०महान्ति

सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

जिलाधिकारी,

पौड़ी।

ग्राम्य विकास अनुभाग

देहरादून: दिनांक 1 फरवरी, 2007

विषय- विकास भवन पौड़ी के निर्माण हेतु पुनरीक्षित आगणन के सापेक्ष अवशेष धनराशि की स्वीकृति।
महोदय,

उपरोक्त विषयक जिलाधिकारी पौड़ी के पत्र संख्या 3018/2-वजट/विकास भवन निर्माण/2006-07 दिनांक 21.12.2006, शासनादेश संख्या 718/38-8-98-3(5-सामुदायिक)/97, दिनांक 30-5-1998, सं०-187/व० एवं ग्रा०वि०अनु०शा०/418/01, दिनांक 1-9-2001, शासनादेश सं० 98/ग्रा०वि०अनु०/2003, दिनांक 10-3-2003 एवं शासनादेश संख्या -325/XI/06/56(39)/2003, दिनांक 27 मार्च, 2006 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विकास भवन पौड़ी के निर्माण हेतु पुनरीक्षित आगणन के सापेक्ष वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 में अवशेष धनराशि ₹० 60.20 लाख (रु० साठ लाख बीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित शर्तों के अधीन आपके निर्वतन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(2) उक्त स्वीकृत धनराशि शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्णयों के अनुसार ही व्यय किया जाय तथा जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्ण स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति प्रत्येक माह की 02 तारीख तक आयुक्त, ग्राम्य विकास एवं शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।

(3) इस धनराशि का आहरण एक मुश्त न कर आवश्यकतानुसार आहरित किया जायेगा तथा समस्त धनराशि का व्यय 31.03.2007 तक कर निर्माण कार्य को पूर्ण कर लिया जाय। प्रशस्त कार्य के लिए भविष्य में अतिरिक्त धनराशि की मांग किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं होगी।

(4) निर्माण कार्य पूर्ण होने पर भवन का संयुक्त निरीक्षण अधीक्षण अभियन्ता लोक निर्माण विभाग देहरादून अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा गढ़वाल परिमण्डल तथा जिला विकास अधिकारी, देहरादून द्वारा किया जायेगा जो यह सुनिश्चित करेगा कि भवन निर्माण कार्य प्रारम्भिक प्राक्कलन एवं नक्शों के अनुसार पूर्ण कर लिया गया है तथा प्राक्कलन की विभिन्न मदों में स्वीकृत धनराशि का उपभोग उन्ही मदों में किया गया है। तदोपरान्त भवन ग्राम्य विकास विभाग के सक्षम अधिकारी को हस्तान्तरित किया जायेगा तथा इस संबंध में उपभोग प्रमाण-पत्र के साथ ही यह प्रमाण-पत्र कि भवन प्रारम्भिक प्राक्कलन एवं अनुमोदित नक्शों के अनुसार पूर्ण कर लिया गया है शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(5) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-19 के लेखाशीर्षक-4515-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रमों पर पूँजीगत परिव्यय -102-सामुदायिक विकास-आयोजनागत -91-जिला योजना -9101 जिला विकास कार्यालय भवनों का निर्माण (जिला योजना)-24 वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

(6) यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-904/वि०अनु०-4/2007 दिनांक 07 फरवरी, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(पी०के०महान्ति)

सचिव

5. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1628/वि. अनु. -3/2006 दिनांक 9.2.2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० तकनीकी शिक्षा मंत्री, उत्तरांचल।
3. निदेशक, प्राथमिक शिक्षा उत्तरांचल, श्रीनगर गढ़वाल।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. प्राचार्य, कुमायूँ इंजी० कालेज द्वाराहाट अल्मोड़ा।
6. वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग।
7. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- ✓ 8. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव।